further improve the research by the Ayurvedic doctors, and

(c) what are the programmes of Government to promote the ancient Ayurvedic treatment keeping in view the fact that allopathic doctors have started prescribing Ayurvedic tablets and medicines?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B SHANKARANAND): (a) to (c) Ayurvedic Institutions are engaged in literary research, clinical evaluation of classical drugs pharmacoepial studies, laying down standards for education and practice, drug testing, etc. for establishing the system on an organised scientific manner.

Studies are being conducted for establishing the anti-cancer potentialities of ayurvedic medicines. However definite conclusions on the efficacy of these preparations can be arrived at only after scientifically controlled clinical trials.

गुजरात के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में दवाओं का उपलब्ध न होना

6694 **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरौला:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गुजरात मे प्राथमिक स्वस्थ्य केन्द्रों में आम बीमारियों के लिए भी दवाओं के उपलब्ध न होने के कारण रोगी समस्याओ का सामना कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो स्थिति मे सुधार के लिए सरकार द्वारा इन स्वास्थ्य केन्द्रों को क्या निदेश दिए जाने की संभावना है; और

(ग) क्या दवाओं के वितरण मे सामाजिक कार्यकर्ताओं से सहायता प्राप्त किये जाने की संभावना है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी॰ शंकरानंद): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं उठते।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को खोलने और उन्हें उन्नत करने के लिए मापदण्ड

6695 **मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को खोलने के लिए क्या मापदण्ड हैं;

(ख) इस समय देश में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की राज्यवार सख्या क्या है;

(ग) पिछले वर्ष के दौरान राज्यवार कितने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले गए,

(घ) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को अस्पताल का दर्जा दिए जाने के लिए क्या मापदण्ड है;

(ड) उत्तर प्रदेश राज्य मे उन स्थानो के नाम क्या है जहां वे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत है जो कि अस्पताल का दर्जा दिये जाने के लिए निर्धारित मापदण्ड को पूरा करते हैं; और

(च) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी॰ शंकरानंद): (क) प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मैदानी क्षेत्रों मे 30,000 जनसंख्या के लिए और पहाड़ी एवं जनजातीय क्षेत्रों में 20,000 जनसंख्या के लिए स्थापित किये जाते है।

(ख) ब्यौरा विवरण I में संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ग) ब्यौरा विवरण II में संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(घ) से (च) अस्पतालों के रूप में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का दर्जा बढ़ाने के लिए योजना नहीं है। फिर भी, उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि 30 शय्यावाले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के रूप मे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का दर्जा बढ़ाने की एक योजना है। ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सामान्यतः एक लाख की जनसंख्या या 4 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए या तहसील स्तर पर स्थापित किये जाते हैं।

विवरण—I

देश में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या का विवरण, ब्यौरा

क्रम संख्या	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	31.12.93 तक कार्य करने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की संख्या
1	आन्ध्र प्रदेश	1283
2	अरुणाचल प्रदेश	36
3	असम	571
4	बिहार	2209
5	गोवा	21
6	गुजरात	940
7	हरियाणा	304
8	हिमाचल प्रदेश	210
9	जम्मू व कश्मीर	295
10	कर्नाटक	1312
11	केरल	908
12	मध्य प्रदेश	1182
13	महाराष्ट्र	1683
14	मणिपुर	70
15.	मेघालय	82
16	मिजोरम	38
17	नागालैण्ड	33
18	उड़ीसा	906
19	पंजाब	472
20	राजस्थान	1433
21	सिक्किम	23
22	तमिलनाडु	1436
23	त्रिपुरा	62
24	उत्तर प्रदेश	3737
25.	पश्चिम बंगाल	1546
26.	अण्डमान और निकोवार द्वीप समूह	17
27	चण्डीगढ़	0
28	दादरा और नागर हवेली	6
29.	दमण दीव	4
30	दिल्ली	8
31	लक्षद्वीप	7
32.	पांडिचेरी	26
	कुलः	21040

विवरण II

1993-94 के दौरान स्थापित प्राथमिक स्वा॰ केन्द्रों की संख्या का ब्यौरा

क्र॰स॰	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	
1	आन्ध्र प्रदेश	59
2	अरुणाचल प्रदेश	0
3	असम	14
4	बिहार	0
5	गोवा	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
6	गुजरात	5
7	हरियाणा	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
8	हिमाचल प्रदेश	15
9	जम्मू व कश्मीर	0
10	कर्नाटक	16
11	केरल	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
12	मध्य प्रदेश	सूचना प्राप्त नहीं है।
13	महाराष्ट्र	1
14	मणिपुर	3
15	मेघालय	6
16	मिजोरम	0
17	नागालैंड	सूचना प्राप्त नहीं है।
18	उडीसा	10
19	पजाब	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
20	राजस्थान	40
21	सिक्किम	0
22	तामिलनाडु	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
23	त्रिपुरा	0
24	उत्तर प्रदेश	13
25	पश्चिम बंगाल	2
26	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	0

क्र॰सं॰	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	
27.	चंडीगढ़	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
28.	दादरा व नगर हवेली	1
29.	दमण व दीव	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
30.	दिल्ली	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
31.	लक्षद्वीप	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
32.	पांडिचेरी	लक्ष्य निश्चित नहीं है।
	कुल	185*

Setting up of More PHCs in Andhra Pradesh

6696. SHRI V. HANUMANTHA RAO: will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government of Andhra Pradesh has sought funds for the construction of Primary Health Centres;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what steps Government have proposed to up-date and improve the primary Health Centres?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) and (b) Yes, Sir. The State Government had asked for financial assistence for setting up of Primary Health Centres under the State Sector Minimum Needs programme. The target for setting up of the Primary Health Centres during 1993-94 and 1994-95 and achievements during 1993-94 are indicated below:

Primary Health Centres

	Target	Achievements
1993-94	60	59
1994-95	60	—

(c) Instructions are issued from time to time to the State Govt. for improving the quality of services at Primary Health Centres. In addition, regular training is being provided at Health and Family Welfare Training Centres to medical and para-medical staff for updating of knowledge and skill.

Efforts to Eliminate Spurious Drugs

6697. SHRI V. HANUMANTHA RAO : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to State:

(a) whether any afforts have been made to eliminate spurious drugs;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government are monitoring the problem Statewise;

(d) what are the State-wise details of findings of prevalence of spurious drugs; and

(e) whether State Government will be encouraged to stem the production and distribution of spurious drugs?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) and (b) Yes, Sir. The State/UTs have been advised to strengthen their enforcement machinery and step up action against those who infringe the law.

(c) to (e) The State Governments are monitoring the manufacture, sale and distribution of drugs in the States. Raids are conducted on receipt of complaints relating to spurious drugs; thereafter appropriate action is initiated against the offenders.

A statements showing the number of samples tested and found spurious during the years 1991-92 and 1992-93 is annexed as Statement.

*आंकड़े अनंतिम हैं।